(ख) क्या उनको नियमित करने के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कोई परीक्षा आयोजित करने का विचार है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) सूचना एकत्रित की जा रही है और सदन के सभापटल पर रख दी जायेगी ।

(ख) जी, नहीं।

Fertilizer Plant in Goa

2094. Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Yashpal Singh:
Shri Kindar Lal:
Shri P. C. Borooah:
Shri Himatsingka:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri Sidheshwar Prasad:

Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an agreement has been signed with a private firm for the setting up of a fertilizer plant in Goa; and

(b) if so, the main features thereof?

The Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Shri Alagesan): (a) A letter of intent has been issued by Government to M/s. Birla Gwalior Private Ltd. for the setting up of a fertilizer plant in Goa with a capacity of 160,000 tonnes of nitrogen per annum.

(b) An agreement has been signed on 21-10-1965 between M/s. Birla Gwalior Private Ltd. and M/s. Armour and Company, USA for financial and technical collaboration in the establishment of the fertilizer factory. M/s. Armour and Company will subscribe equity capital to the extent of 3·88 million. They will make available to the Indian Company (1) the Engineering, manufacturing and marketing data; (2) skills needed to design, construct and operate the plant as well as to market products; (3) their secret formula, when necessary, to produce compound fertilizers; and (4) the secret process and technology which they now use in the United States.

हिन्दी सहायकों के लिये पृथक संघ

2095. **श्री विश्राम प्रसाद** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संघ लोक सेवा आयोग ने जून, 1959 में हिन्दी सहायकों की भर्ती के लिये जो परीक्षा की थी उस समय अधिसूचना में यह उल्लेख था कि इन पदों को अभी निःसवर्ग पद बनाया जा रहा है ;

(ख) क्या हिन्दी सहायकों के लिये अब को अलग सवर्ग बनाया जा रहा है या इन पदों को किसी दूसरे संवर्ग में मिलाया जायेगा ; और

(ग) उनकी पदोन्नति की क्या संभावनायें हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ल० ना मिश्र) : (क) जी, हां । अधिसूचना में यह उल्लेख था कि हिन्दी सहायकों के पद केन्द्रीय सचिवालय सेवा योजना से पृथक माने जायेगें । ऐसा इस लिये किया गया था कि उम्मीदवारों के सामने, जो सब पहले ही केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य थे, यह बात साफ कर दी जाय कि बाद में केन्द्रीय सचिवालय सेवा में ग्रेड IV (सहायक) में पदोन्नति होने पर उन्हें हिन्दी सहायकों के रुप में निर्वाचन/पदोन्नति के आधार पर कोई विशेष लाभ पाने का अधिकार नहीं होगा ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) अर्हता प्राप्त हिन्दी सहायकों को, सिवाय ऐसे मामलों के जहां जनहित के

आधार पर ऐसा न करने के जबर्दस्त कारण मौजूद हों, केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसी श्रेणी 11 और श्रणी 1 (कनिष्ठ) पदो पर नियुक्ति के लिये प्रतियोगिता की अनुमति दे दी जाय जिनके लिये हिन्दी की उच्चतर योग्यता अथवा हिन्दी में उच्चस्तरीय दक्षता तथा हिन्दी के काम के अनुभव की आवश्यकता अपेक्षित हो ।

हिन्दी विश्व कोष

2096. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दी विश्व कोष के अब तक कितने खंड प्रकाशित किये गये हैं ;

(ख) शेष खंडों को कब प्रकाशित होना था और वास्तव में वे कब प्रकाशित होंगे; और

(ग) उनके प्रकाशन में अत्यधिक विलम्ब होने के क्या कारण हैं और उसे दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

शिक्षा मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री भक्त दर्शन): (क) पांच ।

(ख) सभी खंड 1964 के अन्त तक प्रकाशित होने थे । शेष खंडो के अब 1966 और 1967 के दौरान प्रकाशित होने की संभावना है ।

(ग) (i) बारबार त्यागपत्र दिये जाने और उपयुक्त योग्य व्यक्तियों की अनुपलब्धता के कारण लम्बी अवधियों तक सम्पादकीय स्टाफ में पदों रिक्त रहना ;

(ii) लेखकों द्वारा उन्हें दिये गए विषयों संबंधी लेख भेजने में देरी करना ;

(iii) अपेक्षित स्तर का कागज प्राप्त होने म कठिनाई ; आदि ।

इन सभी कठिनाइयों को दूर करने के लिए जपयुक्त कार्रवाई की गई है ।

दयानन्द नेशनल हाई स्कूल, दिल्ली

2097. **श्री रा० स० तिवारी :**
श्री बाडीवा :
श्री लखमू भवानी :
श्रीमती श्यामकुमारी देवी :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दयानन्द नेशनल हाइ स्कूल, पटौदी हाउस, दरियागंज, दिल्ली को मान्यता प्रदान की थी ;

(ख) यदि हां, तो मान्यता किन वर्षों के लिये प्रदान की गयी थी ; और

(ग) क्या यह स्कूल अब भी चल रहा है या बन्द हो गया है ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला): (क) से (ग). स्कूल अब नहीं चल रहा है । इस स्कूल से संबंधित दिल्ली प्रशासन के पास कोई रिकार्ड नहीं है ।

Civil Engineers

2098. Shri M. S. Murti: Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Civil Engineering personnel in the country have become surplus and are facing unemployment;

(b) if so, the steps taken to find out employment for them; and